https://www.jmi.ac.in

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) के कर्मचारियों ने 20 साल पुराने गतिरोध को ऐतिहासिक और सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाने के लिए प्रशासन की सराहना की

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर, 2026

आज दोपहर 3:30 बजे अंसारी ऑडिटोरियम के लॉन में आयोजित एक धन्यवाद कार्यक्रम में, जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) के 2,000 से अधिक टीचिंग और नॉन-टीचिंग कर्मचारियों ने भाग लिया। इस दौरान, विश्वविद्यालय के शिक्षकों और कर्मचारियों ने छात्र संघ चुनावों के मुद्दे को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाने के लिए जेएमआई प्रशासन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने छात्रों के हितों की रक्षा करने और शिक्षण तथा परीक्षा प्रक्रियाओं को हर हाल में निर्बाध बनाए रखने के लिए प्रशासन की स्पष्टवादिता और सूझबूझ की सराहना की। उन्होंने कल, 29 अक्टूबर, 2026 को जारी किए गए महत्वपूर्ण आदेश की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय प्रशासन के 'अत्यधिक धैर्य, विवेक और समझदारी' को दर्शाता है। साथ ही, यह जेएमआई के 106वें स्थापना दिवस पर संस्थान की गरिमा बनाए रखने के लिए प्रशासन के अनुकरणीय प्रयासों का भी प्रमाण है।

जेएमआई कर्मचारियों ने पिछले दो सप्ताह में भारत सरकार, विशेष रूप से शिक्षा मंत्रालय और गृह मंत्रालय द्वारा दिए गए निरंतर समर्थन, परामर्श और मार्गदर्शन के लिए भी अपना आभार व्यक्त किया।

यह ध्यान दिया गया कि छात्र संघ चुनावों के लंबे समय से चले आ रहे मुद्दे को बातचीत और विचार-विमर्श के माध्यम से सुलझाने के लिए जेएमआई प्रशासन की प्रदर्शनकारी छात्रों के साथ यह लगभग आठवीं बैठक थी। इस प्रक्रिया से दो दशक पुराने गतिरोध का एक सौहार्दपूर्ण और लोकतांत्रिक समाधान निकला, जो छात्रों तक पहुंचने के लिए प्रशासन के निरंतर प्रयासों को दर्शाता है।

20 साल से चले आ रहे इस गतिरोध को समाप्त करने के लिए वर्तमान जेएमआई प्रशासन की प्रशंसा करते हुए शिक्षकों ने कहा कि प्रशासन ने लोकतंत्र, संवाद और छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण के प्रति एक अनुकरणीय प्रतिबद्धता दिखाई है। उन्होंने इस पुराने मुद्दे को सुलझाने में अपनी ईमानदार इच्छाशक्ति और निरंतर निष्ठा का परिचय दिया है। शिक्षकों ने 18 अक्टूबर से जेएमआई प्रशासन के समावेशी, विचार-विमर्श पर आधारित और दूरदर्शी दृष्टिकोण की सराहना की। साथ ही, उन्होंने एक स्वर में मांग की कि विश्वविद्यालय की दीवारों पर राष्ट्र-विरोधी बातें और नारे लिखने वालों, तथा गेट और अन्य बुनियादी ढांचे में तोड़फोड़ करने वाले व्यक्तियों या समूहों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

इसके अलावा, शिक्षकों ने सोशल मीडिया पर पिछले दो हफ्तों की घटनाओं को जिस तरह से पेश किया गया है—कई ट्वीट्स, इंस्टाग्राम रील्स और फेसबुक पोस्ट के जरिए इसे 'जीतने वालों' और 'हारने वालों' के बीच की लड़ाई के रूप में दिखाया गया है—उसकी कड़ी निंदा की। ऐसा लगता है कि यह जेएमआई समुदाय के बीच विभाजन पैदा करने और ध्रुवीकरण करने की एक कोशिश थी। उन्होंने इस बात पर भी गहरा खेद जताया कि प्रशासन, उच्च-स्तरीय समिति के सदस्यों, प्रॉक्टोरियल टीमों, हॉस्टल प्रोवोस्ट और कर्मचारियों को छात्रों के प्रति उदासीन या शत्रुतापूर्ण दिखाकर उन्हें बदनाम करने की कोशिश की गई।

जेएमआई के टीचिंग और नॉन-टीचिंग कर्मचारियों ने जोर देकर कहा कि कल रात जारी किए गए आदेश ने इस तरह के नैरेटिव को पूरी तरह से खत्म कर दिया है और उनके असली मकसद और साजिश को बेनकाब कर दिया है। इस नकारात्मकता के विपरीत, कल की घटनाओं ने यह दिखाया कि प्रशासन छात्रों के साथ बातचीत करने, उनकी बात सुनने और छात्रों के हितों की रक्षा करते हुए इस मुद्दे का एक लोकतांत्रिक समाधान खोजने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि उनकी पढ़ाई और शैक्षणिक कार्यक्रम पर कोई असर न पड़े। जामिया कर्मचारियों ने कहा कि कल रात जो नतीजा निकला, वह किसी एक पक्ष की दूसरे पक्ष पर जीत नहीं थी, बल्कि यह टीचिंग के उन मूल्यों और आदर्शों की शानदार जीत थी, जो संवाद, गरिमा और समुदाय के हर सदस्य के प्रति आपसी सम्मान पर आधारित हैं।

संवाद का रास्ता न छोड़कर और लगातार छात्रों तक पहुंचने की कोशिश करके, टीचिंग प्रशासन ने विश्वविद्यालय के राष्ट्रवादी संस्थापकों और संरक्षकों द्वारा स्थापित बेहतरीन परंपराओं को कायम रखा है। अपने 106वें स्थापना दिवस पर, टीचिंग ने फिर से दोहराया है कि शांति, अहिंसा और भाईचारा इसके संस्थागत चरित्र और शैक्षणिक संस्कृति के ऐसे बुनियादी मूल्य हैं, जिन पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

'यह जामिया की, इसकी लोकतांत्रिक परंपराओं की और संस्थान के उन सौ साल पुराने मूल्यों की जीत है, जिन्हें आज तक बहुत सावधानी से संजोया और बचाकर रखा गया है,' शिक्षकों और कर्मचारियों ने धन्यवाद कार्यक्रम के दौरान कहा।

सीपीआरओ कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया